झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Jharkhand

भाषा–स्कूल

School of Languages

हिन्दी विभाग

HINDI DEPARTMENT

पाठ्यक्रम

एम0ए0 / स्नातकोत्तर–हिन्दी

दो वर्षीय (चार समसत्रीय)

सत्रारम्भ–2018

पाठ्यक्रम संरचना

Core Course (CC)

विभागीय विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	P	साख
1.	HIN/411010	आदि एवं भक्ति काव्य	5	0	0	5
2.	HIN/411020	हिन्दी साहित्य का इतिहास–एक	5	0	0	5
3.	HIN/411030	हिन्दी कथा साहित्य	5	0	0	5
4.	HIN/411040	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	5	0	0	5
5.	HIN/421010	रीति काव्य	5	0	0	5
6.	HIN/421020	हिन्दी साहित्य का इतिहास–दो	5	0	0	5
7.	HIN/421030	आधुनिक कविता–एक	5	0	0	5
8.	HIN/421040	भारतीय काव्यशास्त्र	5	0	0	5
9.	HIN/511010	नाटक एवं एकांकी	5	0	0	5
10.	HIN/511020	निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	5	0	0	5
11.	HIN/511030	आधुनिक कविता–दो	5	0	0	5
12.	HIN/511040	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
13.	HIN/521010	हिन्दी आलोचना	5	0	0	5
14.	HIN/521020	आधुनिक भारतीय साहित्य	5	0	0	5

Discipline Centrice Elective Course (DCEC)

(अनुशासन / विषय केंद्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम)

(विभागीय एवं विभागेतर विद्यार्थियों के लिए)

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	P	साख
1.	HIN/526010	अनुवाद, सिद्धांत और व्यवहार	4	0	0	4
2.	HIN/526020	झारखंड का लोकसाहित्य और हिन्दी साहित्य	4	0	0	4
3.	HIN/526030	साहित्य और सिनेमा	4	0	0	4
4.	HIN/526040	प्रयोजन मूलक हिन्दी	4	0	0	4
5.	HIN/526050	जयशंकर प्रसाद	4	0	0	4

Generic Elective Course (GEC) (सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम)
(अन्य विभागों / केंद्रों के लिए प्रस्तावित)

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	P	साख
1.	HIN/526060	साहित्य, समाज और संस्कृति	4	0	0	4
2.	HIN/526070	हिन्दी कथा संसार	4	0	0	4
3.	HIN/526080	हिन्दी काव्यधारा	4	0	0	4
4.	HIN/526090	प्रेमचन्द	4	0	0	4

Skill Enhancement Elective Course (SEEC)
(दक्षता विकास वैकल्पिक पाठ्यक्रम)
(विभागीय विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	D	साख
1.	HIN/521040	लघु शोध प्रबंध	0	0	12	12

प्रथम समसत्र

क्र0 सं0	पत्र कूट	पत्र का नाम	L	T	P	क्रेडिट
1.	HIN/411010	आदि एवं भक्ति काव्य	5	0	0	5
2.	HIN/411020	हिन्दी साहित्य का इतिहास – एक	5	0	0	5
3.	HIN/411030	हिन्दी कथा साहित्य	5	0	0	5
4.	HIN /411040	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	5	0	0	5

द्वितीय समसत्र

क्र0 सं0	पत्र कूट	पत्र का नाम	L	T	P	क्रेडिट
1.	HIN/421010	रीति काव्य	5	0	0	5
2.	HIN/421020	हिन्दी साहित्य का इतिहास – दो	5	0	0	5
3.	HIN/421030	आधुनिक कविता – एक	5	0	0	5
4.	HIN/421040	भारतीय काव्यशास्त्र	5	0	0	5

तृतीय समसत्र

क्र0 सं0	पत्र कूट	पत्र का नाम	L	T	P	क्रेडिट
1.	HIN/511010	नाटक एवं एकांकी	5	0	0	5
2.	HIN/511020	निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	5	0	0	5
3.	HIN/511030	आधुनिक कविता – दो	5	0	0	5
4.	HIN/511040	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5

चतुर्थ समसत्र

क्र0 सं0	पत्र कूट	पत्र का नाम	L	T	D	क्रेडिट
1.	HIN/521010	हिन्दी आलोचना	5	0	0	5
2.	HIN/521020	आधुनिक भारतीय साहित्य	5	0	0	5
3.	HIN/521030	लघु शोध प्रबंध	0	0	12	12
(निम्नलिखित में से कोई एक) अनिवार्य वैकल्पिक / DCEC			4	0	0	4
4.	HIN/526010	अनुवाद, सिद्धांत और व्यवहार				
	HIN/526020	झारखण्ड का लोक साहित्य और हिन्दी साहित्य				
	HIN/526030	साहित्य और सिनेमा				
	HIN/601040	प्रयोजनमूलक हिन्दी				
	HIN/601050	जयशंकर प्रसाद				

विभाग द्वारा अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (GEC)

क्र0 सं0	पत्र कूट	पत्र का नाम	L	T	P	क्रेडिट
प्रथम समसत्र में प्रस्तावित (दो में से कोई एक)						
1.	HIN/521060	साहित्य की समझ	4	0	0	4
2.	HIN/521070	हिन्दी कथा संसार	4	0	0	4
तृतीय समसत्र में प्रस्तावित (दो में से कोई एक)						
3.	HIN/521080	हिन्दी काव्यधारा	4	0	0	4
4.	HIN/521090	प्रेमचन्द	4	0	0	4

L- लेक्चर
T- ट्यूटोरियल
P- प्रैक्टिकल
D- डिजर्टेशन

प्रथम समसत्र

पत्र – HIN/411010
आदि एवं भक्ति काव्य

पाठ्यक्रम
इकाई

1.

- पृथ्वीराज रासो (कयमास वध : कथासार), चन्दवरदायी
- संदेश रासक (तीसरा सर्ग : कथासार), अब्दुल रहमान
- विद्यापति– विद्यापति की पदावली संपा0 रामवृक्ष बेनीपुरी
  वंदना – 1, 2, 3, प्रेम प्रसंग – 28, 29, 30, बसंत– 174, 176

2.

- कबीर : कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्याम सुंदर दास
  गुरूदेव की अंग–3, 4, 15, 20, विरह को अंग– 3, 18, 22, माया को अंग–4, 7, 11, काल को अंग–1, 11, 14, पद संख्या – 1, 16, 24, 43, 113, 117, 156
- जायसी – नागमती वियोग खंड

3.

- सूरदास– भ्रमरगीत – संपादक रामचंद्र शुक्ल, 7, 9, 10, 22, 23, 24, 25, 41, 52, 64, 75, 95, 100, 105, 130, 162, 210, 220, 365, 400
- तुलसीदास–अयोध्या कांड–गीताप्रेस, गोरखपुर–आरंभिक 50 दोहे–चौपाई

संदर्भ पुस्तकें :

1. विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह(संपा॰), लोकभारती प्रकाशन
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना
3. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
5. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. मलिक मुहम्मद जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
7. सूरदास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. सूरदास– ब्रजेश्वर शर्मा, राजकमल प्रकाशन
9. लोकवादी तुलसीदास–विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
10. तुलसी काव्य मीमांसा–उदयभानु सिंह, राजकमल प्रकाशन
11. कबीरः एक नई दृष्टि–रघुवंश, राजकमल प्रकाशन
12. जायसी : एक नई दृष्टि–रघुवंश, राजकमल प्रकाशन
13. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य–शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन
14. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास–रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र – HIN/411020
हिन्दी साहित्य का इतिहास–एक

पाठ्यक्रम :

इकाई 1.

- साहित्य, इतिहास और साहित्येतिहास
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्या
- हिन्दी के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ

इकाई 2.

- आदिकाल : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- रासो ग्रन्थ, सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य
- आदिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई 3.

- भक्ति आंदोलन के उदय के कारण
- भक्ति काल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप और भेद
- भक्तिकाल की विभिन्न काव्यधारायें
- भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई 4.

- रीतिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- दरबारी संस्कृति और रीतिकाल
- रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ
- रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेंद्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद
4. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र0
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपति चंद्रगुप्त, लोकभारती प्रका॰, इलाहाबाद
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्र॰
7. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र॰,
8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, एनसीईआरटी
9. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्यायें–श्याम कश्यप(संपा॰), हि मा का नि, दिल्ली
10. रीतिकाव्य की भूमिका–डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
11. साहित्य और इतिहासदृष्टि– मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन

पत्र – HIN/411020
हिन्दी साहित्य का इतिहास–एक

पाठ्यक्रम :

इकाई 1.

- साहित्य, इतिहास और साहित्येतिहास
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्या
- हिन्दी के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ

इकाई 2.

- आदिकाल : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- रासो ग्रन्थ, सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य
- आदिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई 3.

- भक्ति आंदोलन के उदय के कारण
- भक्ति काल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप और भेद
- भक्तिकाल की विभिन्न काव्यधारायें
- भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई 4.

- रीतिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- दरबारी संस्कृति और रीतिकाल
- रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ
- रीतिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेंद्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद
4. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्र0
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपति चंद्रगुप्त, लोकभारती प्रका॰, इलाहाबाद
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्र॰
7. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्र॰,
8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, एनसीईआरटी
9. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्यायें–श्याम कश्यप(संपा॰), हि मा का नि, दिल्ली
10. रीतिकाव्य की भूमिका–डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
11. साहित्य और इतिहासदृष्टि– मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन

12. रीति काव्य मूल्यांकन के नये आयाम–प्रभाकर सिंह(सं), राजकमल प्रकाशन
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना–वच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन
14. नाथ सम्प्रदाय–हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. सिद्ध साहित्य–धर्मवीर भारती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 सुनील कुमार, विशाल प्रकाशन, पटना, नई दिल्ली

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र – HIN/411030

कथा साहित्य

इकाई 1.

- गोदान : प्रेमचन्द
- जैनेन्द्र : त्यागपत्र
- बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु

(किन्हीं दो का अध्ययन)

इकाई 2.

- उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- ईदगाह : प्रेमचन्द
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- परदा : यशपाल
- तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम : फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई 3.

- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- मलबे का मालिक : मोहन राकेश
- यही सच है : मन्नू भंडारी
- भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई
- सलाम : ओमप्रकाश वाल्मीकि

संदर्भ पुस्तकें :

1. गोदान नया परिप्रेक्ष्य : डॉ0 गोपाल राय – अनुपम प्रकाशन, पटना
2. गोदान : सं0 राजेश्वर गुरू – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. गोदान मूल्यांकन और मूल्यांकन : सं0 इंद्रनाथ मदान, नीलम प्रकाशन, इलाहाबाद
4. गोदान का महत्व : सं0 डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, सुमित, इलाहाबाद
5. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली
6. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया : डॉ. देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. मैला आँचल : नित्यानंद तिवारी
8. हिन्दी कहानीः रचना और परिस्थिति, सुरेन्द्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन
9. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन
10. नयी कहानी की भूमिका–कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन

11. हिंदी कहानी का विकास : डॉ. मधुरेश, सुमित प्रकाशन, नई दिल्ली
12. कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. प्रेमचंद और भारतीय समाज—नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
14. अन्तर्कथाओं के आइने में उपन्यास—राहुल सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ
15. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता—वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक—40

20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा

दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक—60

पत्र – III\ 41/040
भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

पाठ्यक्रम

इकाई 1

- भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य।
- भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2

- स्वन विज्ञान : उच्चारण–प्रक्रिया, स्वन और स्वनिम, अक्षर, मात्रा–स्वर, स्वनियों का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ और कारण
- रूप विज्ञान – शब्द और पद, शब्द के प्रकार, रूप और रूपिम अर्थ तत्त्व और संबंध तत्त्व

इकाई 3.

- वाक्य विज्ञान : वाक्य, पदबंध, वाक्य प्रकार, वाक्य संरचना, प्रोक्ति
- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

इकाई 4.

- भारतीय आर्यभाषाएँ–वैदिक भाषा और संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ।
- हिन्दी की उपभाषाएँ : 5 भाषा वर्ग
- अवधी, ब्रज और खड़ी बोली की विशेषताएँ।
- देवनागरी लिपि : इतिहास, विशेषताएँ और मानकीकरण

संदर्भ पुस्तकें :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका –देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषा शास्त्र की रूपरेखा – उदय नारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा का विकास – देवेन्द्र नाथ शर्मा
7. भाषा और समाज– रामविलास शर्मा, राजकमल प्र.

रत्नेश विश्वसेन
26-3-18

11 आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
12 हिन्दी भाषा का इतिहास–धीरेंद्र वर्मा
13 हिन्दी उद्भव और विकास रूप–हरदेव बाहरी
14 आर्य और द्रविड भाषाओं का अंत: संबंध– भगवान सिंह, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
15 देवनागरी लिपि और हिन्दी : संघर्षों की ऐतिहासिक यात्रा– रामनिरंजन परिमलेंदु, राधाकृष्ण प्रकाशन
16 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
17 देवनागरी लिपि आंदोलन का इतिहास, रामनिरंजन परिमलेंदु, साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40

20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा

दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

रत्नेश विष्णवसेन
26-3-18

द्वितीय समसत्र

पत्र – HIN/421010
रीतिकाव्य

इकाई 1.

- केशवदास – रामचंद्रिका (रावण–अंगद संवाद), (संकलन–लाला भगवानदीन, संपा–डॉ॰ पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल), नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी

इकाई 2.

- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (संपा0), पद संख्या 1, 2, 3, 4, 6, 9, 11, 13, 14, 19, 20, 26, 27, 30, 31, 32, 34, 35, 36, 38, 40, 41, 42, 43, 47, 50, 52, 54, 56, 61, 64, 67, 76, 77, 78, 79, 82, 85, 89, 96

इकाई 3.

- घनानंद– घनानंद कवित्त–संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  1 से 10, 19, 20, 21, 22, 23, 29, 39, 43, 51, 57

इकाई 4.

- रत्नाकर–उद्धव शतक–15 छंद (मंगलाचरण, न्हात यमुना में, आए भुजबंध दए, देखि दूरि ही तैं, बिरहबिथा की कथा, नंद और जसोमति के, ऊधव कैं चलत, भेजो मनभावन के, दीन दसा देखि, रस के प्रयोगिनी के, उधौ कहौ सुधो सो, कान्हदूत कैंधो, आए हो सिखावन कौं, कर बिन कैसे गाय दूहिहै, प्रेममद छाके पग परत)

संदर्भ पुस्तकें :

1. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन
2. बिहारी : नया मूल्यांकन – डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा – डॉ0 मनोहर लाल गौड़
4. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग दो– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. हिन्दी रीति साहित्य–भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन
7. घनानंद का श्रृंगार काव्य– रामदेव शुक्ल, नयी किताब
8. स्वच्छंदतावाद और घनानंद का काव्य – मनोहर लाल
9. घनानंद, डॉ0 लल्लन राय, साहित्य अकादमी, दिल्ली
10. केशवदास–विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन
11. केशवदास–जगदीश गुप्त, साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

रत्नेश विश्वसेन
26-3-18

पत्र – HIN/421020
हिन्दी साहित्य का इतिहास—दो

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- आधुनिक काल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और गद्य विधा का विकास
- हिंदी नवजागरण : भारतेन्दु और आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की भूमिका
- भारतेन्दु युगीन कविताओं का विषय संदर्भ और विशेषताएँ
- द्विवेदीयुगीन कविताओं का विषय बोध और खड़ी बोली का निर्माण
- राष्ट्रवादी एवं स्वच्छदंतावादी काव्यधाराएँ

इकाई 2.

- छायावाद : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ
- छायावाद : प्रमुख कवियों का परिचय
- प्रगतिवाद : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ
- प्रगतिवाद के प्रमुख कवियों का परिचय

इकाई 3.

- प्रयोगवाद – तारसप्तक का संदर्भ, विशेषताएँ और प्रमुख कवि
- नई कविता—आधुनिकता बोध, अस्तित्ववाद, लघुमानववाद, प्रमुख कवि
- अकविता– प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ और प्रमुख कवि
- समकालीन कविता– प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ और प्रमुख कवि

इकाई 4.

- उपन्यास : उद्भव और विकास
- कहानी : उद्भव और विकास
- हिन्दी नाटक और रंगमंच का विकास
- हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाओं का विकास

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
2. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेंद्र
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
7. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, एनसीईआरटी
11. रस्मी अध्ययनों से परे इतिहास और आलोचना– प्रदीप सक्सेना, नयी किताब
12. भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ–कर्मेन्दु शिशिर, नयी किताब
13. छायावाद–नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

रत्नेश विष्वक्सेन
26-3-18

26/03/2018

26·3·18

पत्र – HIN/421030

आधुनिक हिन्दी कविता – एक

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- मैथिलीशरण गुप्त–साकेत नवम सर्ग

इकाइ 2.

- जयशंकर प्रसाद–कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला–राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति

इकाइ 3.

- सुमित्रानंदन पंत–प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, नौका विहार
- महादेवी वर्मा–मधुर मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुख की बदली, विरह का जलजात

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य – बीसवीं शताब्दी – नंद दुलारे वाजपेयी, लोकभारती, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य – मूल्य और मूल्यांकन, निर्मला जैन, राजकमल, नई दिल्ली
3. छायावाद– नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
4. छायावाद की प्रासंगिकता, रमेशचंद्र शाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
5. साकेत– नगेंद्र
6. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, प्रयाग
7. कामायनी का पूनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. प्रसाद का काव्य – प्रेम शंकर, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
9. कवि निराला – नंददुलारे वाजपेयी, मैकमिलन, नई दिल्ली
10. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली
11. निराला की कविताएँ – सं0 परमानंद श्रीवास्तव, नीलाम, मूसिदाबाद
12. कामायनी – सं0 नंदकिशोर नवल, अनुपम प्रकाशन
13. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त – रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती, इलाहाबाद
14. महादेवी– दूधनाथ सिंह, राजकमल, नई दिल्ली
15. निराला : आत्महन्ता आस्था–दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन
16. कामायनी : एक पुनर्विचार–गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन
17. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कवितायें– नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रका॰
18. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन–कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन
19. छायावाद युगीन कविता पुस्तक समीक्षा, कुमार वीरेन्द्र, दिशा इन्टरनेशनल, दिल्ली

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र-HIN/421040

भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- काव्य : अर्थ एवं परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।

इकाई 2.

- रस सिद्धांत : रस की परिभाषा एवं स्वरूप
- रस निष्पति, साधारणीकरण
- अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ

इकाई 3.

- रीति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ
- वक्रोक्ति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ

इकाई 4.

- ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ
- औचित्य सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएँ

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यसिद्धांत–गणपति चंद्रगुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद
2. भारतीय काव्यशास्त्र, सत्येदव शास्त्री, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, भागीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
4. काव्य के रूप, गुलाब राय, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्यालोचन, श्याम सुंदर दास, इंडियन प्रेस, प्रयाग
6. भारतीय काव्यशास्त्र, योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. संस्कृत काव्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
10. भारतीय काव्यशास्त्र, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

26-3-18

रत्नेश विश्वकसेन
26-3-18

तृतीय समसत्र

पत्र–HIN/511010
नाटक

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- अंधेर नगरी–भारतेंदु
- चंद्रगुप्त–जयशंकर प्रसाद

इकाई 2.

- आधे–अधूरे–मोहन राकेश
- अंधा युग–धर्मवीर भारती

इकाई 3.

- स्ट्राइक–भुवनेश्वर
- साहब को जुकाम है–उपेन्द्रनाथ अश्क
- दीपदान–रामकुमार वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

1. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, नई दिल्ली
2. नाट्यशास्त्र – रेवा प्रसाद द्विवेदी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला
3. अंधेर नगरी : संवेदना और शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. प्रसाद के नाटक : सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. आधुनिक नाटक का मसीहा – मोहन राकेश
6. मोहन राकेश और उनके नाटक, गिरीश रस्तोगी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. अंधायुग : पाठ और प्रदर्शन – जयदेश तनेजा, NSD, नई दिल्ली
8. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच – सं0 नेमिचंद्र जैन, मैकमिलन, नई दिल्ली
9. आज के रंग नाटक – सं0 इब्राहिम अलकाजी
10. भारतीय रंगमंच – आद्यरंगाचार्य
11. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास– दशरथ ओझा
12. नाटककार प्रसाद : तब और अब, रमेश गौतम, नयी किताब
13. नाटककार भारतेन्दु : नये संदर्भ नये विमर्श, रमेश गौतम, नयी किताब
14. आधुनिक नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश, गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन
15. भारतीय नाट्य सौंदर्य : डॉ मनोहर काले, हि मा का नि, दिल्ली विश्वविद्यालय
16. किसे कहते हैं नाट्यकला, शम्भु मित्र (हिन्दी अनुवाद–प्रतिभा अग्रवाल), साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र – HIN/511020
निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- बालकृष्ण भट्ट–साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
- महावीर प्रसाद द्विवेदी–कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल–श्रद्धा और भक्ति
- पं0 विद्यानिवास मिश्र–मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- कुबेरनाथ राय–उत्तरफाल्गुनी के आसपास

इकाई 2.

- संस्मरण–पथ के साथी–महादेवी वर्मा
- जीवनी–आवारा मसीहा–विष्णु प्रभाकर

इकाई 3.

- आत्मकथा–बसेरे से दूर–बच्चन
- यात्रा वृतांत–गंगा से वोल्गा–राहुल सांकृत्यायन

संदर्भ पुस्तकें

1. निबंध निलय, संपादक डॉ0 सत्येन्द्र
2. आत्मकथा की संस्कृति–पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन
3. आत्मकथा और उपन्यास–ज्ञानेन्द्र संतोष, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी गद्य का विकास–डॉ0 रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. महियसी महादेवी–गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी गद्य शैली का विकास–जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
7. हिंदी के वैयक्तिक निबंधकार, श्रीलाल शुक्ल,
8. हिंदी निबंधकार–जयनाथ नलिन
9. समसामयिक हिंदी निबंध–ज्ञानेन्द्र वर्मा

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

26-3-18

रत्नेश विष्वक्सेन
26-3-18

पत्र – HIN/511030
आधुनिक कविता–दो

पाठ्यक्रम

इकाई1.

- रामधारी सिंह दिनकर–उर्वशी (तृतीय अंक)

इकाई 2.

- नागार्जुन–बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, सिंदूर तिलकित भाल, बादल को घिरते देखा है

इकाई 3.

- अज्ञेय–असाध्य वीणा
- मुक्तिबोध–अंधेरे में

इकाई 4.

- रघुवीर सहाय–रामदास, दो अर्थों का भय, पढ़िये गीता, आत्महत्या के विरूद्ध, चढ़ती स्त्री
- धूमिल–शहर का व्याकरण, मोची राम, आज मैं लड़ रहा हूँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
3. कविता से साक्षात्कार – मलयज, संभावना प्रकाशन, हापुड़
4. लंबी कविताओं का रचना विधान – सं0 नरेंद्र मोहन
5. कुरूक्षेत्र – रामधारी सिंह 'दिनकर', राजकमल प्रकाशन
6. अज्ञेय और आधुनिक रचना की स्थापना – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. अज्ञेय – वागर्थ का वैभव – रमेशचंद्र शाह – प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
8. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. नागार्जुन– अजय तिवारी
10. अंतस्तल का पूरा विप्लव – अंधेरे में, सं0 निर्मला जैन, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
11. रघुवीर सहाय का कविकर्म – सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. रघुवीर सहाय–पंकज चतुर्वेदी, साहित्य अकादमी
13. मुक्तिबोध : कविता और जीवन विवेक–चंद्रकांत देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन
14. मुक्तिबोध की कविताई– अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन
15. धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ–संपादक– ब्रह्मदेव मिश्र, शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र कूट– HIN/511040

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- प्लेटो – काव्य सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू– अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत

इकाई 2.

- लौंजाइनस– उदात्त की अवधारणा
- कॉलरिज– कल्पना–सिद्धांत
- वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा सिद्धांत

इकाई 3.

- क्रोचे –अभिव्यंजनावाद
- आई0 ए0 रिचर्ड्स – मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत
- टी0 एस0 इलियट–निर्वैयक्तिक्ता का सिद्धांत

इकाई 4.

- मैथ्यू आर्नलैंड–आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- नई समीक्षा, संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकता

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत–गणपति चंद्रगुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–सत्यदेव शास्त्री, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
3. पाश्चात्य साहित्य लोचन के सिद्धांत–लीलाधर गुप्त, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – सिद्धांत और वाद–डॉ0 नगेंद्र, दिल्ली वि0वि0, दिल्ली
5. काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन–निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ–राजनाथ
9. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

चतुर्थ समसत्र

पत्र – HIN/521010
हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम

इकाई 1

- हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास
- शुक्ल पूर्व, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर परिदृश्य

इकाई 2

- रामचंद्र शुक्ल–इतिहास दृष्टि, रस–दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा
- नंददुलारे वाजपेयी–सौष्ठववादी आलोचना
- हजारी प्रसाद द्विवेदी और आलोचना की दूसरी परंपरा

इकाई 3

- मार्क्सवादी आलोचना–रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

इकाई 4

- रचनाकार आलोचक–प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, दिनकर, विजयदेव नारायण साही।

संदर्भ पुस्तकें

1. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, रामविलास शर्मा, राजकमल, नई दिल्ली
3. हिंदी आलोचना, निर्मला जैन
4. साहित्य की परख, शिवदान सिंह चौहान
5. हिंदी साहित्य–बींसवीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती, नई दिल्ली
6. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. काव्यकला और अन्य निबंध, जयशंकर प्रसाद, लोकभारती, नई दिल्ली
8. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. कविता और शुद्ध कविता : रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन
10. एक साहित्यिक की डायरी–मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. जायसी–विजयदेवनारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
12. दूसरी परंपरा की खोज, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी आलोचना का विकास–नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
14. आलोचक और आलोचना–कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. विचार और आलोचना–राहुल सिंह, अनन्य प्रकाशन
16. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : आलोचना के नये मानदंड–भवदेव पाण्डेय, राजकमल

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्र – HIN/521020
आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम

इकाई 1.

- भारतीय साहित्य की अवधारणा
- भारतीयता : अतीत का वर्तमान

इकाई 2.

- प्रथम प्रतिश्रुति–आशापूर्णा देवी
- मछुआरे–तकषी शिवशंकर पिल्लै

इकाई 3.

- घासीराम कोतवाल–विजय तेंदुलकर
- हयवदन – गिरीश कर्नाड

इकाई 4.

- गीतांजलि–रवीन्द्रनाथ टैगोर : अभिसार, प्राण, मुक्ति त्राण, भारत तीर्थ, बंदी (अनुवाद एवं संपादन, हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य अकादमी)
- गालिब – कोई उम्मीद बर नहीं आती, हजारों ख्वाहिशें ऐसी, न था कुछ तो खुदा था, दिले नादां तुझे हुआ क्या है, आह को चाहिये।

संदर्भ ग्रंथ :

1. इंडियन लिटरेचरसिंस इंडिपेंडेस–सं0 के0 एस0 आर0 आयंगर–साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : नगेंद्र साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास–डॉ0 नगेंद्र
4. भारतीय साहित्य की भूमिका–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य–भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
6. संस्कृति के चार अध्याय–दिनकर, उदयाचल प्रकाशन, पटना
7. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, ए0 आर0 देसाई, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आधुनिक भारतीय चिंतन–विश्वनाथ नारवाड़े, राजकमल, नई दिल्ली
9. भारतीय चिंतन परंपरा–के0 दामोदरन, पीपुल्स पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
10. भारतीय चिंतन परंपरायें : नये आयाम, नई दिशायें–कृष्णदत्त पालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल
11. हम हिन्दुस्तानी–सुधीर कक्कड़, पेंग्विन यात्रा बुक्स
12. भारतीय साहित्य स्थापनायें और प्रस्तावनायें– के॰ सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन
13. गालिब और उनका युग–पवन कुमार वर्मा, साहित्य अकादमी
14. गालिब–मुहम्मद मुजीब(हिन्दी अनुवाद–रमेश गौड़), साहित्य अकादमी
15. मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ–हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/521030

लघु शोध प्रबंध

पाठ्यक्रम

निर्धारित पाठ्यक्रम में से किसी भी विषय पर दस हजार शब्दों का एक लघु शोध–प्रबंध

परीक्षा का स्वरूप

विभागीय अंतर्वीक्षा : अंक–40
शोध–प्रबंध मूल्यांकन : अंक–60

वैकल्पिक

पत्रकूट– HIN/526010

अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार

पाठ्यक्रम

ईकाई1.

- अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और सीमाएँ
- अनुवाद का संदर्भ–अंतः भाषिक, अंतर भाषिक, अंतर प्रतीकात्मक
- अनुवाद की प्रकृति–कला, विज्ञान अथवा शिल्प

इकाई 2.

- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि
- अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक, शब्दावली, थिसारस, कम्प्यूटर
- अनुवाद पुनरीक्षण, संपादन, मूल्यांकन

इकाई 3.

- अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य
- अनुवाद के गुण

इकाई 4.

- अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी अनुवाद
- शब्दावली, कैप्सन और अभिव्यक्ति का अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें

1. अनुवाद : सिद्धांत और समस्यायें–डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग, वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
3. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान, संपादक डॉ0 नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6. अनुवाद के सिद्धांत : समस्याएँ और समाधान, रा॰ रामचन्द्र रेड्डी, साहित्य अकादमी

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526020

झारखण्ड का लोक साहित्य एवं हिन्दी साहित्य

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- लोक साहित्य की अवधारणा
- लोक और शिष्ट साहित्य

इकाई 2.

- झारखण्ड की लोक संस्कृति
- लोकसाहित्य का पारंपरिक एवं वैज्ञानिक स्वरूप

इकाई 3.

- झारखण्ड का हिन्दी साहित्य
- परंपरा और विकास

इकाई 4.

- प्रमुख कथाकार
- प्रमुख नाटककार
- प्रमुख गद्यकार

इकाई 5.

- प्रमुख कवि
- प्रमुख आलोचक
- प्रमुख पत्र–पत्रिकाएँ

संदर्भ पुस्तकें

1. लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2. लोक कथा कोश, नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
3. भारतीय लोक विश्वास–कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. लोक और लोक का स्वर–विद्यानिवास मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. अतीत के दर्पण में झारखण्ड–डॉ0 भुवनेश्वर अनुज, भुवन प्रकाशन, राँची
6. झारखण्ड इन साइक्लोपीडिया–सं0 रणेन्द्र एवं सुधीर पाल, वाणी, दिल्ली
7. इतिहास के मोड़ पर झारखण्ड–डॉ0 विद्याभूषण, क्राउन, राँची
8. झारखण्ड–समाज, संस्कृति और साहित्य–झारखण्ड झरोखा, राँची
9. आदिवासी दर्शन और साहित्य–सं0 सं0 वंदना टेटे, विकल्प, दिल्ली
10. हिंदी कथा साहित्य और झारखण्ड–अनामिका प्रिया, क्राउन, राँची
11. झारखण्ड परिदृश्य–डॉ0 सुनील कुमार सिंह, क्राउन, राँची।
12. आदिवासी साहित्य यात्रा– रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन
13. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य–कुमार बीरेन्द्र, पैसिफिक इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स
14. आदिवासी चिंतन की भूमिका–गंगा सहाय मीणा, अनन्य प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526030

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा एवं दिशाएँ, प्रासंगिकता
- प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषा प्रयुक्ति, प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्यायें एवं समाधान, प्रयोजनमूलक हिंदी के उद्देश्य

इकाई 2.

- हिंदी की संवैधानिक स्थिति, राजभाषा बनाम राष्ट्रभाषा
- प्रयोजनमूलक हिंदी और साहित्यिक हिंदी में अंतर
- राजभाषा हिंदी की विकास यात्रा, प्रशासनिक हिंदी, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन

इकाई 3.

- पारिभाषिक शब्दावली की समस्या एवं समाधान, व्याकरण की समस्या एवं समाधान, विश्व हिंदी सम्मेलन की परंपरा एवं उपलब्धियाँ, राजभाषा हिंदी की दशा, हिंदी का भविष्य।

संदर्भ पुस्तकें

1. राजभाषा हिंदी–कैलाश चंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी–महेशचंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी–दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी–डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी और काव्यांग–डॉ0 नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
6. आधुनिक विज्ञापन–प्रेमचंद पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी–डॉ0 विनोद गोदरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी संपेक्षण, पल्लवन और पाठबोधन–डॉ0 हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भारतीय सरकार की राजभाषा नीति–डॉ0 अरविंद कुलश्रेष्ठ, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
10. पारिभाषिक शब्दावली-कुछ समस्यायें–डॉ0 भोलानाथ तिवारी, दिल्ली
11. राष्ट्रभाषा हिंदी और समस्यायें–आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. सामान्य हिन्दी, कुमार बीरेन्द्र, मंथन प्रकाशन, इलाहाबाद

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

रत्नेश विश्वसेन 26-3-18

26-3-18

पत्रकूट– HIN/526040

साहित्य और सिनेमा

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- सिनेमा के सिद्धांत–वैश्विक, भारतीय एवं हिन्दी
- तकनीक और सिनेमा

इकाई 2.

- हिन्दी सिनेमा का विकास

इकाई 3.

- साहित्य और सिनेमा का संबंध

इकाई 4.

- हिन्दी फिल्म समीक्षा (किन्हीं पाँच का विशेष अध्ययन)
  दो बीघा जमीन, मदर इंडिया, मुगल–ए–आजम, आवारा, बंदिनी, तीसरी कसम, शोले, जय संतोषी माँ, दो आँखे बारह हाथ, मिर्च मसाला, लगान, रजनीगंधा, गदर, दंगल, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएँगे, ब्लैक, बजरंगी भाईजान, धोबी घाट, लंचबॉक्स, मसान

संदर्भ पुस्तकें

1. वर्ल्ड सिनेमा (हिस्ट्री)– सं0 ज्योफ्री नोवेल–स्मिथ–ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस
2. हिन्दी सिनेमा–अनिल सारी, ऑक्सफोर्ड, दिल्ली
3. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ : जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भारतीय सिने सिद्धांत : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सिनेमा कल, आज कल–विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी सिनेमा : आदि से अनंत –प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडार
7. सिनेमा : समकालीन सिनेमा–अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. सिनेमा समय : विष्णु खरे, नयी किताब, नई दिल्ली
9. लेखक का सिनेमा : कुँवरनारायण, राजकमल प्रकाशन
10. खुद से कई सवाल : अमित दत्ता, राजकमल प्रकाशन
11. चलचित्र : कल, आज और कल, सत्यजित राय, राजपाल एंड संस
12. हिन्दी सिनेमा : बिम्ब–प्रतिबिम्ब, महेन्द्र प्रजापति (संपा)
13. डायरेक्टर्स डायरीज, राकेश आनंद बख्शी, हार्पर कालिन्स
14. कन्वर्सेशन विद मणिरत्नम, सिद्धार्थ रंगन, पेंग्विन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526050

जयशंकर प्रसाद

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- जयशंकर प्रसाद और ब्रज भाषा
- जयशंकर प्रसाद और छायावाद

इकाई 2.

- कवि जयशंकर प्रसाद

इकाई 3.

- नाटककार जयशंकर प्रसाद

इकाई 4.

- कहानीकार जयशंकर प्रसाद
- उपन्यासकार जयशंकर प्रसाद

इकाई 5.

- निबंधकार जयशंकर प्रसाद
- आलोचक जयशंकर प्रसाद

संदर्भ पुस्तकें

1. राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और प्रसाद– शंभुनाथ, नयी किताब
2. नाटककार प्रसाद तब और अब– रमेश गौतम, नयी किताब
3. प्रसाद का काव्य–प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. नाटककार जयशंकर प्रसाद–सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि–1(नाटक के लिए रंगमंच), महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन
6. जयशंकर प्रसाद : रंगदृष्टि–2(रंगमंच के लिए नाटक), महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन
7. रंगमंच के सिद्धांत–महेश आनंद, देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
8. काव्य और कला तथा अन्य निबंध–जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन
9. जयशंकर प्रसाद–रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी
10. जयशंकर प्रसाद–संपूर्ण कहानियाँ, अनन्य प्रकाशन
11. जयशंकर प्रसाद–संपूर्ण उपन्यास, अनन्य प्रकाशन
12. जयशंकर प्रसाद–संपूर्ण नाटक, अनन्य प्रकाशन
13. जयशंकर प्रसाद–संपूर्ण काव्य, अनन्य प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526060

साहित्य, समाज और संस्कृति

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप
- साहित्य की प्रकृति एवं उद्देश्य
- साहित्य एवं समाज का अंतर्सम्बंध

इकाई 2.

- साहित्य और समाज
- साहित्य और मनोविज्ञान
- साहित्य और राजनीति
- साहित्य और विचारधारा

इकाई 3.

- साहित्य और अन्य कलाएँ
- साहित्य का सर्जनात्मक रूप
- साहित्य एवं संस्कृति

संदर्भ पुस्तकें

1 साहित्य सहचर–हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन
2 साहित्यालोचन–श्यामसुंदरदास, लोकभारती प्रकाशन
3 भारतीय संस्कृति के स्त्रोत–भगवत शरण उपाध्याय, पी पी एच
4 साहित्य और विचारधारा–अमृतराय, सरस्वती प्रकाशन, इलाहाबाद
5 भारतीय धर्म और संस्कृति–डॉ॰ रामजी उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन
6 समकालीन विचारधाराएं और साहित्य–डॉ॰ राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन
7 भारतीय समाज का ऐतिहासिक विश्लेषण–भगवत शरण उपाध्याय, पी पी एच
8 साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका–मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी
9 सौंदर्यशास्त्र के तत्त्व–डॉ॰ कुमार विमल, राजकमल प्रकाशन
10 कला की जरूरत–अर्न्स्ट फिशर, राजकमल प्रकाशन
11 कलाओं का सामाजिक उद्गम–ज्यार्गी प्लेखानोव, राजकमल प्रकाशन
12 कला का इतिहासदर्शन–आर्नल्ड हाउजर, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन
13 भारतीय कला विवेचन की प्रस्तावना– नीहार रंजन राय, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

26-3-18

रत्नेश विक्रमसेन
26-3-18

पत्रकूट– HIN/526070
हिन्दी कथा संसार

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- मन्नू भंडारी–आपका बंटी

इकाई 2.

- प्रेमचन्द – नमक का दारोगा
- सुदर्शन – हार की जीत
- राधाकृष्ण– वरदान का फेर
- विश्वंभर नाथ कौशिक ताई

इकाई 3.

- भीष्म साहनी–चीफ की दावत
- फणीश्वरनाथ रेणु–लाल पान की बेगम
- उषा प्रियंवदा–वापसी
- ऋता शुक्ला–क्रौंच वध

संदर्भ पुस्तकें

1 आपका बंटी–मन्नू भंडारी, राजकमल प्रकाशन
2 मन्नू भंडारी और आपका बंटी–मालविका, लोकभारती प्रकाशन
3 कुछ कहानियाँ कुछ विचार–विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
4 एक दुनिया समांतर–राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन
5 कहानी नयी कहानी–नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
6 नयी कहानी की भूमिका–कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526080

हिन्दी काव्यधारा

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- रामधारी सिंह दिनकर–कुरूक्षेत्र (प्रथम सर्ग)

इकाई 2.

- हरिवंश राय बच्चन–लहरों का निमंत्रण, इस पार उस पार, अग्निपथ
- गोपाल सिंह नेपाली–मेरा धन है स्वाधीन कलम, इतिहास बदलने वाले हैं, चल रहा है आदमी, नवीन, हिन्दी है भारत की बोली
- भवानी प्रसाद मिश्र–सतपुड़ा के जंगल, सन्नाटा, कमल के फूल, घर की याद

इकाई 3.

- केदारनाथ अग्रवाल–मांझी न बजाओ वंशी, बसंती हवा, जो शिलाएँ तोड़ते हैं, पूरा हिन्दुस्तान मिलेगा।
- गोपालदास नीरज–जीवन नहीं मरा करता है, मैं पीड़ा का राजकुंवर हूँ, कारवां गुजर गया।
- दुष्यंत कुमार–हो गई है पीर पर्वत, ये धुएँ का एक घेरा, होने लगी है जिस्म में, मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूँ, कहाँ तो तय था।

संदर्भ पुस्तकें

1. साये में धूप–दुष्यंत कुमार, राजकमल प्रकाशन
2. कुरूक्षेत्र–रामधारी सिंह दिनकर, राजकमल प्रकाशन
3. साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना–नरेन्द्र सिंह
4. दुष्यंत कुमार–विजय बहादुर सिंह, साहित्य अकादमी
5. केदारनाथ अग्रवाल–अजय तिवारी, साहित्य अकादमी
6. केदारनाथ अग्रवाल : लड़े द्वंद्व से कविता बन कर–अशोक त्रिपाठी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
7. काव्य भाषा पर तीन निबंध–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

पत्रकूट– HIN/526090

प्रेमचन्द

पाठ्यक्रम

ईकाई 1.

- प्रेमचंद–युग और परिवेश
- प्रेमचंद और उर्दू लेखन
- प्रेमचंद – किसान, स्त्री एवं दलित संदर्भ
- प्रेमचंद और हिन्दी जनमानस

इकाई 2.

- उपन्यास – रंगभूमि

इकाई 3.

- कहानी – पंच परमेश्वर, पूस की रात, बड़े घर की बेटी, नशा, सदगति, बड़े भाई साहब

संदर्भ पुस्तकें

1. मानसरोवर (भाग–1 से 8) प्रेमचंद, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली
2. कलम का सिपाही : अमृत राय, साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. प्रेमचंद घर में–शिवरानी देवी, सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आलोचना का जनपक्ष : चंद्रवती सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

परीक्षा का स्वरूप

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा : अंक–40
20 अंकों की तीन लिखित परीक्षा
दो सर्वोच्च प्राप्तांकों के योग

सत्रांत परीक्षा : अंक–60

रत्नेश विश्वसेन
26-3-18